Dr. Sunil Kr Suman"
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date-
DO-Next-class

Models of Psychology

Psychodinamic Model

(2) नया मनोगतिकी संदर्भ (Newer Psychodynamic Perspective):-

असामान्य व्यवहार की व्याख्या में फ्रायड ने मुख्यतः उपाहं (Id) की इच्छाओं एवं आवेगों तथा उनकी अभिव्यक्ति पर बल डाला है। लेकिन बाद में सिद्धान्तवादियों जिसमें सिग्मंड फ्रायड (Sigmund Freud) की पुत्री अन्ना फ्रायड (Anna Freud) भी शामिल है, ने अहं (ego) को अधिक महत्वपूर्ण बतलाते हुए कहा है कि अहं द्वारा व्यक्तित्व के कार्यपालक (executive) के रूप में कार्य करने के ढंग पर भी व्यक्ति के कुसमायोजी व्यवहार (maladaptive behaviour) उत्पन्न होने की संभावना निर्भर करता है। आधुनिक नैदानिक मनोवैज्ञानियों एवं मनोचिकित्सकों द्वारा न तो पराहं (Id) और न ही अहं (ego) का डाला जाता है बल्कि इस वस्तु (object) पर अधिक ध्यान दिया जाता है जिसके प्रति वह पराहं एवं अहं की इच्छाओं एवं आवेगों को निर्देशित करता है। और जिसे बच्चा अपने व्यक्तित्व में सम्मिलित कर लिया है। इस प्रक्रिया को 'इन्ट्रोजेक्सन' कहा जाता है। इन्ट्रोजेक्सन (introjection) एक ऐसी आंतरिक प्रक्रिया होती है जिसके माध्यम से बच्चे स्मृति तथा प्रतिमाओं (image) के सहारे सांकेतिक रूप से किसी व्यक्ति को किसी संवेग से युक्त मानता है। जैसे कोई बच्चा माता पिता के क्रोध भरे चेहरे को आन्तरीकरण कर सकता है और फिर उसका संकेत या वस्तु से उसका व्यवहार प्रभावित हो सकता है।

P.T.O

मनोगतिकी चिन्तन में वस्तु-संबंधी (Object Relations) पर आरंभिक बल 1930 वालि दशक में क्लिन (Klien), फेयरबेन (Fairbrain), विन्नीकॉट (Winnicott) आदि द्वारा काफी डाला गया और कहा गया की आंतरिक वस्तु (Internalized Objects) के परस्पर विरोधी ~~गुणों~~ गुण जैसे वस्तु उत्तेजक एवं आकर्षक या कुंठा उत्पन्न करने वाला हो सकता है ~~जिसमे~~ जिसमे वैमनस्य (hostile) उत्पन्न हो सकता है। इतना ही नहीं, ऐसे वस्तु व्यक्तित्व के केन्द्रिय अहं से पृथक होकर स्वतंत्र अस्तित्व (Independent Existence) भी बना सकता है। इस सबों का परिणाम यह होता है की इसमें व्यक्तित्व में आंतरिक संघर्ष (Inner conflict) होता है और उसमे धीरे धीरे कुसमायोजी व्यवहार (maladaptive behaviour) उत्पन्न होने लगते हैं। अभी हाल मे अमेरिकन मनोवैज्ञानिकों ने भी प्रशंसा की है। इन मनोवैज्ञानिकों में महलर (Mehler) तथा कर्नबर्ग (Kernberg) का नाम प्रधान है। कर्नबर्ग सीमारेखीय व्यक्तित्व (borderline personality) के अध्ययन के लिए मशहूर है। ऐसे व्यक्तित्व का सबसे प्रमुख गुण अस्थिरता (instability) होता है। ऐसे व्यक्तित्व का आत्मन (Self) इसलिए अस्थिर (instable) होता होता है क्योंकि इनके व्यक्तित्व का आंतरिकृत वस्तु (internalized object) रोगात्मक होते हैं। क्योंकि इनके व्यक्तित्व के और साथ ही साथ व्यक्ति उसे स्वीकृत (integrate) करने में असफल होता है।

स्पष्ट हुआ की नये मनोगतिकी संबंधी मूलतः व्यक्ति के अन्तरवैयक्तिक संबंध (interpersonal Relationship) पर बल डालता है और इस बात की विशेष रूप से व्याख्या करता है कि किस तरह से ऐसे आरम्भिक संबंधों की से व्यक्ति द्वारा संतोषजनक अंतक्रिया करने की क्षमता प्रभावित होती है।

Next-class

Scanned with CamScanner